

(ग) यदि नहीं, तो बिलम्ब के क्या कारण हैं ; और

(घ) इस सम्बन्ध में कब तक अन्तिम निर्णय किये जाने की सम्भावना है ?

प्रतिरक्षा मंत्री के सभा-सचिव (श्री फतेहसिंह राय गायकवाड़) : (क) जी, हाँ।

(ख) सरकार ने २६ मई, १९५७ के प्रश्न संख्या ५५४ के उत्तर में सभा के पटल पर रखे गये कार्यक्रम को सिद्धान्तरूप से स्वीकार कर लिया है, और विभिन्न बोर्डों को विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिये, प्रतिवर्ष जितनी निधि प्राप्य होगी, हर गए वर्ष में उनकी सफलता के अनुरूप, दिया जायेगा।

(ग) तथा (घ). प्रश्न नहीं उठते।

Foreign Exchange

*908. Shri Harish Chandra Mathar: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) the amount of foreign exchange released for the private industrial sector during the years 1955-56, 1956-57, and 1957-58, so far; and

(b) what part of this exchange was given to the (i) organised industrial sector and (ii) to small scale industries?

The Deputy Minister of Finance (Shri B. B. Bhagat): (a) and (b). It is presumed that information is required about the foreign exchange released in each of the years for the import of commodities required for the private industrial sector. A statement giving the figures in respect of the principal commodities so imported is laid on the Table of the Lok Sabha. [See, Appendix IV, annexure No. 59]. Figures are, however, not available separately for the organised sector and for small scale industries.

Scholarships

1734. Shri M. V. Krishna Rao: Will the Minister of Education and Scientific Research be pleased to state:

(a) the number of students in Andhra Pradesh who have been given scholarships by the Government of India in 1957-58 so far for studies in India and abroad under the various schemes of the Central Government; and

(b) the number of Scheduled Caste and Scheduled Tribe students among them?

The Minister of State in the Ministry of Education and Scientific Research (Dr. K. L. Shrivastava): (a) and (b). Information is being collected and will be laid on the Table of the Lok Sabha in due course.

अखिल भारतीय स्मारक

१७३५. श्री श्रीनारायण दास : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १८५७ से १९४७ तक स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए देशभक्तों की स्मृति में अखिल भारतीय स्मारक बनाने के लिये अब तक क्या कदम उठाये गये हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री दातार) : प्रमुख कलाकार तथा शिल्पकारों से स्मारक के स्थान और उसके स्वरूप के सम्बन्ध में सुझाव मंगाए गये थे। उनके तथा अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा भेजे गए सुझाव विचाराधीन हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा का प्रशिक्षण स्कूल

१७३६. श्री रामजी बर्मा : क्या गृह-कार्य मंत्री १७ जुलाई, १९५७ के प्रस्तावित प्रश्न संख्या ८१ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षण स्कूल में पूरे समय और बीड़े समय के लिये काम करने वाले दोनों प्रकार के शिक्षकों को कितना वेतन तथा भत्ता दिया जा रहा है ;